बोर्ड प्रश्नपत्र : मार्च 2017

समय: दो घंटे **कुल अंक: 40**

विभाग 1 – गद्य

1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [6]

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **2**

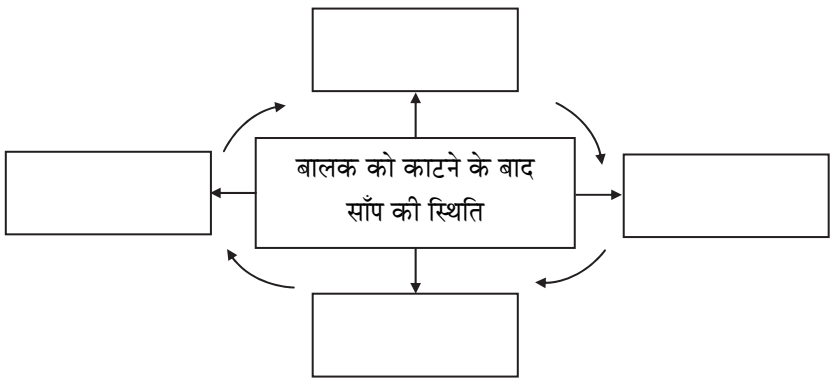

साँप ने जाकर उसे सूँघा। बालक की जान निकल गई थी। साँप ने देखा कि बालक बहुत ही सुंदर था। उसका मुख अब भी जैसे हँस रहा हो। उस समय साँप को बहुत दुख हुआ। उस दुख में दो रोज तक उसको कुछ भी नहीं सूझा। वह बालक को चारों ओर कुंडलाकार घेरकर बैठा रहा, न हिला न डुला, मानो वह यम के खिलाफ बालक की देह का पहरा देता हो। जब शनैः– शनैः बालक के मुँह से स्मित हास की आभा मिटने लगी और शरीर गलने लगा, तब वह हठात साँप भी वहाँ से हटा।

उस समय उसने प्रार्थना की कि हे भगवान! मेरा जहर मुझमें से तू निकाल ले।

(2) (i) परिच्छेद में प्रयुक्त समानार्थी शब्द लिखिए: **1**

(1) शरीर =

(2) चमक =

(ii) लिंग पहचानकर लिखिए: **1**

(1) प्रार्थना =

(2) पहरा =

(3) 'साँप की उपयोगिता' पर अपने विचार लगभग **6** से **8** वाक्यों में लिखिए। **2**

(ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [6]

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **2**

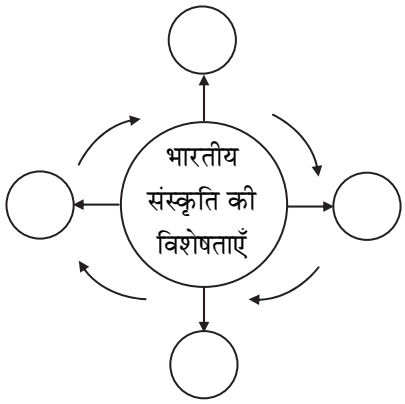

लेकिन इसके उपरांत भी भारतीय संस्कृति में समन्वय का एक अनोखा गुण विद्यमान है। देश में नास्तिक व आस्तिक, मूर्तिपूजक व विरोधी, हिंदू, मुसलमान, ईसाई, मंदिर, मस्जिद व गिरिजाघर, अलग-अलग भाषाओं का प्रयोग करने वाले, पितृसत्तात्मक व मातृसत्तात्मक सभी परिवार विद्यमान हैं। इन्हें भारतीय संस्कृति ने सुंदर पुष्पों के रूप में मानकर स्वयं को सुगंध से भरपूर रंगीन उपवन बनाया है। अलग-अलग संप्रदायों के बाद भी अनेकता में एकता भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है, जो सभी व्यक्तियों को एक-दूसरे का आदर करना सिखाती है। भारतीय संस्कृति सत्य, नैतिकता, ईमानदारी, अहिंसा के विचारों को महत्त्व देती है, इसलिए इसमें आध्यात्मिकता के तत्त्वों को अधिक महत्त्व दिया गया है।

(2) (i) परिच्छेद में प्रयुक्त विरुद्ध अर्थ के शब्द की **एक** जोड़ी लिखिए। **1**

(ii) परिच्छेद में प्रयुक्त **दो** प्रत्यय युक्त शब्द ढूँढ़कर लिखिए। **1**

(3) 'विविधता में एकता' पर लगभग **8** से **10** वाक्यों में अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 2 – पद्य

2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [5]

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **2**

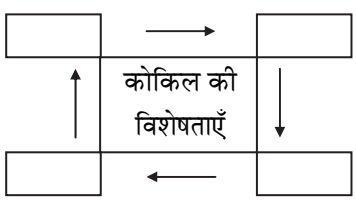

कोकिल अति सुंदर चिड़िया है, सच कहते हैं अति बढ़िया है।
जिस रंगत के कुँवर कन्हाई, इसने भी वह रंगत पाई।
अथवा जामुन का रंग जैसे, इसका भी होता है तैसे।
ज्यों ही चैत मास लगता है, जाड़ा अपने घर भगता है।
त्यों ही यह अति मीठी बानी, नित्य बोलती है रससानी।
आम मौर सबको अति प्यारा, सत्य-सत्य यह सब दिन गाती।

(2) वचन परिवर्तन कीजिए: **1**

(i) चिड़िया (ii) आम

(3) 'पर्यावरण रक्षण में पंछियों की भूमिका' विषय पर अपने विचार लगभग **6** से **8** वाक्यों में लिखिए। **2**

(छ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [5]

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **2**

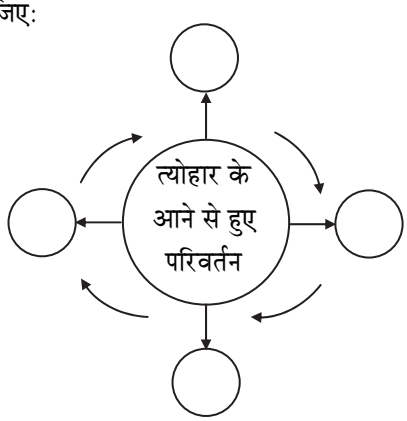

नाचो, गाओ, धूम मचाओ,
फिर प्यारा त्योहार आ गया।
डगर-डगर में है उजियाली,
जगर-मगर फैली दीवाली।
चहल-पहल है, खेल-तमाशे,
चमक रही है मुख पर लाली।
सूरज-चाँद उतर आए ज्यों,
उनको भी त्योहार भा गया।

(2) कविता में प्रयुक्त **दो** विराम-चिह्नों के नाम लिखिए। **1**

(3) 'देश के प्रति आपके कर्तव्य' पर अपने विचार लगभग **6** से **8** वाक्यों में लिखिए। **2**

विभाग 3 – व्याकरण

3. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [6]

(1) मानक वर्तनी के अनुसार उचित शब्द चुनकर लिखिए: **1**

(i) मस्तिष्क, मकसिष्क, मसतिश्क, मस्तीश्क

(ii) समुख, सम्मुख, सम्मूख, सममुख

(2) निम्नलिखित अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **1**

फौरन

(3) (i) काल पहचानिए: **1**

मैं बहुत बीमार पड़ा।

(ii) सूचनानुसार काल परिवर्तन कीजिए: **1**

उनके पिता ने व्यवसाय किया। (सामान्य वर्तमान काल)

(4) (i) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए: **1**

बस दुर्घटना में कई लोग खून से लथ-पथ हो गए थे।

(दम तोड़ना, लहूलुहान होना)

(ii) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: **1**

जुट जाना

विभाग 4 – रचना विभाग **[12]**

4. (1) निम्नलिखित जाकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए: **4**

मिथिल/मिथिला पाटील, 10, वरद सोसायटी हाईस्कूल, म. गांधी रोड, शिरूर से छात्र प्रतिनिधि के नाते अपनी पाठशाला के लिए खेल-सामग्री की माँग करते हुए मा. व्यवस्थापक, प्रगति स्पोर्ट्स, कैंप, पुणे को पत्र लिखता/लिखती है।

(2) सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए: **4**

(i) Trees are our best friends.
(ii) Something is better than nothing.
(iii) Experience is the best teacher.
(iv) I am thankful for everyone.

(3) परिच्छेद पढ़कर उस पर चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हों: **4**

आयुर्वेद भारतवर्ष में ढाई हजार वर्षों से भी पहले से प्रचलित है। इसके अधिकांश साहित्य संस्कृत भाषा में उपलब्ध हैं। अत: आम जनता की सुविधा के लिए स्थानीय तथा पश्चिमी भाषाओं में यह ज्ञान देने का प्रयास हो रहा है। यद्यपि अंग्रेजी शासन के दौरान आयुर्वेद अपनी गरिमा खो चुका था तथापि बीसवीं शताब्दी के अंत में आयुर्वेद आज फिर दुनिया भर में पुन: बहुश्रुत और बहुचर्चित है।

पौधों का उपयोग पूरी दुनिया की परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों का आधार है। आयुर्वेद को राजकीय मान्यता प्राप्त है। आयुर्वेद लगभग आठ हजार वनस्पतियाँ औषधियाँ बनाने के लिए प्रयोग करता है। भारत में पैंतीस से सत्तर हजार किस्मों के पौधे पाए जाते हैं।